सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२०२६

कक्षा:पाँचवीं | **विषय: हिंदी व्याकरण** | **अनुच्छेद - पर्यावरण**

आजकल जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ती जा रही है, उद्योगों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। साथ ही नगरीकरण भी होता जा रहा है। उधर वाहनों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इन सभी कारणों से प्रदूषण भी अत्यधिक मात्रा में बढ़ता जा रहा है। चारों ओर दमघोंटू हवा ही मिलती है। हमारे पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों का होना बहुत आवश्यक है। स्वच्छ पर्यावरण होने से ही हमें साँस लेने के लिए शुद्ध वायु मिलती है। वायु को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे अधिक लगाए जाने चाहिए। हरियाली अधिक होगी. तो वर्षा भी होगी। वर्षा होने से पानी की कमी भी नहीं हो पाएगी। सूखे की संभावनाओं से भी बचा जा सकेगा। अपने पर्यावरण की सुरक्षा हमारे ही हाथों में हैं। वृक्षारोपण को जितना अधिक बढ़ावा मिलेगा, हमें उतनी ही शुद्ध वायु मिल सकेगी। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और वृक्ष लगाने में तथा प्रदूषण को रोकने में अपना योगदान देना ही होगा। अपने आस-पास भी सभी को इसके प्रति जागरूक करना ही होगा, तभी हम शुद्ध पर्यावरण में सुरक्षित रह सकेंगे।